

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

रांची

शनिवार, वर्ष 09, अक्टूबर 23

FLORENCE

Group of Institutions
(A Unit of: Haji Abdur Razzaque
Educational Society)

Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

Admission OPEN
2023-24

PLACEMENT
Assistance
Scholarship
Facility Available

NURSING PARAPMEDICAL PHARMACY

ARM CMH DRESSES IIMT ECG

BASIC: B.Sc., M.Sc. ASS'T. ASSTANT

Separate Hostel for Boys And Girls

M: +91231082, 7803998411, 6205145470

E-mail : fnsr@rediffmail.com

Website : www.florenceinstiba.com

आजाद सिपाही संवाददाता

अयोध्या। अवधुर्यु अति रुचि बनाइ। देवर नुसुम बूझि दिरि लाई... भगवान् राम के अयोध्या लौटने की खुशी में अवधुर्यु बहुत ही सुंदर सजायी गयी है। देवाओं ने पुष्पों की वर्षा की झाड़ी लगा दी है। रामचरित मानस के उत्तर चौपाई दीपोत्सव में साकार रुप लेती दिख रही है। शनिवार को बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

अयोध्या में 'पुष्पक विमान' से आयेंगे प्रभु, जलेंगे 30 लाख दीये

विश्व रिकार्ड बनाने की तैयारी चल रही

वही दीपोत्सव में 21 लाख दीप केवल राम की पैड़ी पर जलाने की तैयारी है। पुरी अयोध्या में 30 लाख दीप जला कर विश्व रिकार्ड बनाने को अयोध्या आत्र है। शनिवार को शाम होते ही जैसे ही रामलला के दरवार में पहला दीप जलेगा, पूरी अयोध्या जगमग हो उठेगी। इससे फले सीमं वशिष्ठ की भूमिका में भगवान् श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इस आयोजन का साक्षी बनने के लिए रामकथा पार्क में करीब पाँच हजार अतिथि मौजूद रहेंगे।

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिषेक समारोह में श्रीराम का राजतिलक भी करेंगे।

स्वागत में राम की पैड़ी पर 21

लाख दीपमालिकाएं प्रज्वलित की जायेंगी। रामपालिके उद्घाटन की बेला में हो रहे दीपोत्सव को अद्भुत रूप देने के लिए अयोध्या का स्वर्ण (लौकिक्टर) से अयोध्या में

पधरेंगे। यहां राज्यपाल आनंदी बेन

पटेल और मुख्यमंत्री योगी

अविद्यानाथ उनकी अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री राज्याभिष



नीतीश का 'आरक्षण कार्ड' बनाम भाजपा का 'रामबाण'

■ बिहार से तय होगा 2024 के चुनावी मुकाबले का मैदान!

महिलाओं पर अश्वीन और जीतनराम मांझी को तुम-तड़क की भाषा में उनके ऊपर एसास जानने की कोशिश में आम जन की नज़रों में बुरी तरह फँस उके बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरक्षण का दांव खेल कर राजनीति के मैदान में अपने पांव को उत्थाने से रोकने की कठिनी की है। भारतीय राजनीति में आरक्षण और धर्म इमेज से ऐसे सुधू रहे हैं, जिन पर किसी भी चुनाव का भविष्य निर्भर ही नहीं रहता, लिंगिक अक्सर तय भी होता है। इसलिए नीतीश के आरक्षण कार्ड को विषयक के तरकश का बड़ा

तीर माना जा रहा है और उम्मीद जातायी जा रही है कि बिहार ने 2024 के चुनावी मुकाबले की लाइन तय कर दी है। लेकिन इसे एकप्री नज़रिया ही कहा जा सकता है, क्योंकि लोगों को यह पता है कि कई राज्यों ने जीतने वाले लोगों को भावनाओं को उभारने का आरक्षण का तड़का लगा कर लोगों की भावनाओं को उभारने का

प्रयास किया, लेकिन वहाँ 75 प्रतिशत आरक्षण लागू नहीं हो पाया, वहीं भाजपा के पास अभी चुनाव जीतने का सबसे बड़ा हथियार, यानी 'रामबाण' के समाने भाजपा का यह 'रामबाण' किंतुना कारबाह होगा। इस बड़े सियासी सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह



जातिगत आरक्षण ने बिहार को क्या दिया

पिछले तीन दशक से ज्यादा समय से बिहार में लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार यादव, राबड़ी देवी और जीतनराम मांझी की सरकार की ऊंचाई से जोड़ कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनावों के ठीक पहले 22 जनवरी का राम मंदिर का उद्घाटन करना और इसके पहले विधिप्रवास द्वारा पूरे देश में इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों के जरूरी माहौल बनाने को भी 2024 के लोकसभा चुनाव से ही जोड़ कर देखा जा रहा है। बड़ा सवाल है कि इस लड़ाई में किसकी जीत होगी?

धनतेरसः बम-बम बोला रांची का बाजार

25 फीसदी तक का दरा
ग्रोथ, ऑफर की भी बदामत

आजाद सिपाही संचाददाता
रांची। धनतेरस के मैके पर शुक्रवार को रांची का बाजार बम-बम रहा। सुबह से ही लोग खरीदारी करते नजर आये। समय के साथ बाजार की रोकन भी बढ़ती चली गयी। ऐरे शाम तक सभी सेक्टरों में खरीदारों की भीड़ उमड़ी। बाजार की तुलना में इस बार 25 फीसदी तक का ग्रोथ रहा। संचालकों की मानें तो ऑफर के कारण भी बाजार बेहतर रहा। यहां तक कि गली-मुहल्लों की दुकानों में भी अच्छी खासी भीड़ दिखी। रंग-बिरंगे लाइंगों से बाजार छाया रहा। धनतेरस के साथ ही दीपावली की शुरुआत मानी जाती है। इस बार छोटी दीपावली 11 नवंबर को, जबकि प्रकाश का पर्व दीपावली 12 नवंबर को है।



शाइन फिनिशिंग की मूर्तियों की डिमांडः धनतेरस पर राजधानी में लोग सोने, चांदी की जम कर खरीदारी करते दिखे। ऐसे बार शाइन फिनिशिंग में रंग-बिरंगी भासान लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की मांग काफी ज्यादा रही। इसके अलावा चांदी के सिक्कों और सोने के सिक्कों की ज्यादा बिक्री रही।
रंग-बिरंगी लाइट और सजावट के सामान की बिक्री ज्यादा :



दीपावली पर लोग घर की सजावट के लिए भी जमकर खरीदारी करते दिखे। घर को लाइटों से सजाने के लिए अलग-अलग तरह की लाइट बाजार में मिल रही है। लकड़ी से लेकर मिट्टी के सामानों की खरीदारी भी लोगों का द्वारा की जा रही है। लोग फलावर पांठ और फ्लास्टिक के आर्टिफिशियल फूल खरीदना पसंद कर रहे हैं।
सुधा मोर्ट्स के सीईओ

चंदन डैम की सफाई और मरम्मत पर केंद्र सरकार ने झाड़ा पल्ला, कहा

बिहार और झारखण्ड सरकार लेगी निर्णय

आजाद सिपाही संचाददाता



रांची। बांका, बिहार के चंदन डैम से सिंचाई के लिए झारखण्ड को पवारिंग पानी उत्तरव्य कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को ज्ञारखण्ड हाइकोर्ट में हुई। मामले में केंद्र सरकार की ओर से शायद पत्र दाखिल कर बताया गया कि चंदन डैम की मरम्मती एवं इस डैम के गाद को हटाने में उसकी कोई भूमिका नहीं है। बिहार सरकार और झारखण्ड सरकार ने निर्णय लेने में सक्षम है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के जबाब पर बिहार सरकार एवं झारखण्ड सरकार को जबाब देने में असमर्थता जतायी है। वहीं

रातू सीओ और अन्य एसीबी कोर्ट में पेश

आजाद सिपाही संचाददाता



रांची। जपीन म्यूटेशन के लिए धूस लेने के आरोपी रातू अंचल के सीओ प्रदीप कुमार को एसीबी ने कोर्ट के समझ पेश किया। उहें रांची सिविल कोर्ट स्थित एसीबी की विशेष न्यायालय में कड़ी सुरक्षा के बीच प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद न्यायालय ने उहें और अन्य अधिवक्ताओं को आयिक हिरासत में बिना मुंदा केंद्रीय कारागार में भेज दिया है। बता दें कि गुरुवार को भ्रात्याचार के स्थितानुकूल करते हुए एसीबी की टीम ने रातू अंचल कार्यालय में छापेमारी भी की थी। उसमें करीब दो लाख स्पष्ट से ज्यादा के कैश की बरामदी हुई। बरामद पेशों को एसीबी ने जब्त कर लिया।

अंचल कार्यालय में छापेमारी के बाद एसीबी की टीम बिना मुंदा केंद्रीय कारागार में भेज दिया है। बता दें कि गुरुवार को भ्रात्याचार के स्थितानुकूल करते हुए एसीबी की टीम ने रातू अंचल कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान एसीबी के अधिकारियों ने रातू सीओ एसीबी को जब्त कर लिया।

घोषणा वीर मुख्यमंत्री की एक और हवा हवाई घोषणा अंतिम महीनों में छात्रों की याद आ ही गयी : प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संचाददाता



रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घोषणा वीर मुख्यमंत्री बताया। वह मुख्यमंत्री के द्वारा छात्रों की प्रतिक्रिया पर घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री जो आदिवासी, मूलवासी, छात्र, पिछड़वारी सब याद आ रहे हैं। मुख्यमंत्री को जबाब देना चाहिए कि छात्रों की शुरुक मासी की घोषणा वह चार वर्ष बाद कर रहे हैं? इन छात्रों को जबाब देना चाहिए कि आदिवासी, मूलवासी के संकल्प में किये गए तर्कों तक वे के अनुसार चार वर्ष में नियमित रूप से नहीं रहे।

फसाने का प्रयास किया? उहेंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार चार वर्षों में 20 लाख सरकारी नौकरियां हो जानी चाहिए थी, पर अब तो हालत यह है कि सरकार मात्र 70-80 नियुक्तियों के भी बड़े-बड़े पोस्टर, बैर लगा कर सुचारा देती है। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री को अचानक पिछड़ा वर्ग भी याद आने लगा है, जबकि उनको आरक्षण देने के लिए ट्रिलेर टेस्ट कराने को अधिसूचित पिछड़ा वर्ग आयोग अभी तक अध्यक्ष नहीं है। प्रतुल ने कहा कि प्रदेश की आदिवासी, मूलवासी जनता और युवा आयोग तथा बैलट के जए इस बाद खिलाफी के खितान को बोंबे नहीं लाया किया? उसे भूल भूलैया में क्यों तैयार है।

विशाल को जमानत देने से इनकार

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। गैंगस्टर मुशील श्रीवास्तव हत्याकांड में शामिल सजावटपा विशाल सिंह को झारखण्ड हाइकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। विशाल सिंह ने अपने अधिवक्ता के मायम से जमानत याचिका दायर की थी। झारखण्ड हाइकोर्ट के न्यायालय जरिस्त

रोने मुखोपाध्याय की बेंच ने पिछड़ी सुनवाई के दौरान भासानी के बाद अपना फैसला सुनने के बाद अपना फैसला किया। विशाल सिंह की जमानत अर्जी का अधिवक्ता कुमार हर्ष ने प्रतुल विरोध किया था। उहेंने

झारखण्ड में 2024 में 33 सरकारी छुट्टी

संविवालय में पांच दिवसीय क्षेत्रीय कार्य प्रणाली

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। झारखण्ड मौतिप्रियषद के फैसले के बाद कार्यक्रम विभाग में वर्ष 2024 की सरकारी छुट्टी को अधिसूचित कर दिया है। जारी अदेश के अनुसार एनआइए एक सरकारी अधिकारी इस बाद खिलाफी के खितान को बोंबे नहीं रहे।

कारोबार काफी अच्छा रहा



महालक्ष्मी सज्जुकी रांची के निदेशक निखिल गोयल का कहना है कि कारोबार काफी अच्छा रहा। सिर्फ धनतेरस के मौके पर 20 प्रतिशत तक का ग्रोथ रहा। वैसे पूरे महीने की बात करें, तो 50 फीसदी का ग्रोथ होना लगभग तय है।

ग्राहकों को देखते हुए विशेष प्रबंध भी किये गये थे। धनतेरस पर लोगों ने पी बुकिंग भी करायी थी।

शिव चंद्रा ज्वेलर्स के संचालक संजय सोनी का कहते हैं कि बाजार विद्युत प्रभाव से बदला चुका है। सोना-चांदी का बाजार भी अच्छा रहा। सोने और चांदी के सिवके की बिक्री पिछले साल की तुलना में काफी अच्छी रही।

मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान का रास्ता साफ



रांची। मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान के लिए 620 करोड़ रुपये की राशि भारत सरकार ने जारी की है। दूसरी ओर तीसरी किस्त की बायों को दूसरी ओर एससी कोटा के मजदूरों के लिए 40,92,16,160 रुपये, एसटी कोटा में 72,68,73,389 रुपये और सर्वाधिक अन्य कोटा में 138,66,60,033 रुपये जारी किये गये हैं। इसी तरह तीसरी किस्त में एससी कोटा के मजदूरों के लिए 40,92,16,160 रुपये, एसटी कोटा में 72,68,73,389 रुपये और सर्वाधिक अन्य कोटा में 138,66,60,033 रुपये जारी किये गये हैं। इसी तरह तीसरी किस्त में एससी कोटा के मजदूरों के लिए 40,92,16,160 रुपये, एसटी कोटा में 72,68,73,389 रुपये और सर्वाधिक अन्य कोटा में 138,66,60,033 रुपये जारी किये गये हैं।

आज सांस्कृतिक मेला का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। मौलाना आजाद हाइमेर इनिशिएटिव (मारी) की ओर से 11 नवंबर को शैक्षणिक संस्कृती मेला का आयोगिक दिन आयोगी दिन होगा। यह कार्यक्रम छंज हाउस कड़क में आयोगिक दिन तक दो दिन दर्ता करता है। चार-पांच माह से दर्ता करता है। इसमें 20 से अधिक स्कूलों की हिस्सेदारी होगी। मीडिया प्रभारी मुस्तकीम आलम के अनुसार इसमें भारतीय महात्मा गांधी की जागीरी भी होगी। इसमें भारतीय महात्मा गांधी की जागीरी भी होगी। राज्य सरकार के अनुसार इसमें भारतीय महात्मा गांधी की जागीरी भी होगी। इसमें भारतीय महात्मा गांधी की जागीरी भी होगी।

जहां 30 साल मुंशी का काम किया, भोला अब वहीं बतौर अधिवक्ता करेंगे प्रैक्टिस



संपादकीय

जबान संभाल के

बि हार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में बुधवार को जिस तरह का बांग कहीं, वे किसी को भी संबंध का सकती है। हालांकि उन्होंने बाद में अपने उस बयान के लिए न केवल मार्गी मार्गी, बल्कि अपनी निंदा भी की, लेकिन जो नुकसान उनके बयान से हुआ है, उसकी भरपाई इससे नहीं हो सकती। अफसोस की बात यह है कि विधानसभा में नीतीश कुमार जिस मुद्दे पर बोल रहे थे, वह महिलाओं की शिक्षा से जुड़ा था और उनका मकासद जन्मदर्श में आयी गिरावट में घटी-लिखी महिलाओं की भूमिका की तारीफ करना था, मगर जिस लक्जे में और जो शब्द उनके मुंह से निकले वे महिलाओं की गरिमा को जबरदस्त चोट पहुंचा गये। इस प्रकरण का निराशाजनक पहलू सिफर वह नहीं कि पूरा भाषण देने के बाद भी मुख्यमंत्री को तुरंत अक्षसास नहीं हुआ कि वे कैसी आपत्तिजनक बातें कह गये, बाद में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी वादव जिस तरह से बचाव कर रहे थे, वही टैरैजन था। इससे साफ होता है कि हमारी राजनीति इस मस्ती पर आज भी किस कदर संवेदनशील बनी हुई है। और, वह स्थिति तब है, जबकि नीतीश कुमार अपनी महिला समर्थक नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं। 2006 में शुरू की गयी उनकी मुख्यमंत्री बालिका साइकल योजना राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित और प्रशंसित हो चुकी है। यही नहीं, शराबबदी की उनकी नीति की भी और चाहे जो भी आलोचना की जाये, इसमें कोई सदैर नहीं कि उसके पीछे भी महिलाओं की दुर्दशा से उपर्युक्त चिंता की बड़ी भूमिका थी। जाहिर है, उनके ताजा बयान से उन्जे विवाद को सिफर उनके बाद भी जानी पार्टी के संर्दह में नहीं लिया जा सकता। यह हमारे समाज में जड़ जाने वाले वैठाएँ महिला विरोधी नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं।

जाहिर है, उनके ताजा बयान से उपर्युक्त को सिफर उनके बाद भी जानी पार्टी के संर्दह में नहीं लिया जा सकता। यह हमारे समाज में जड़ जाने वाले वैठाएँ महिला विरोधी नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं। 2006 में शुरू की गयी उनकी मुख्यमंत्री बालिका साइकल योजना राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित और प्रशंसित हो चुकी है। यही नहीं, शराबबदी की उनकी नीति की भी और चाहे जो भी आलोचना की जाये, इसमें कोई सदैर नहीं कि उसके पीछे भी

महिलाओं की दुर्दशा से उपर्युक्त चिंता की बड़ी भूमिका थी। जाहिर है, उनके ताजा बयान से उन्जे विवाद को सिफर उनके बाद भी जानी पार्टी के संर्दह में नहीं लिया जा सकता। यह हमारे समाज में जड़ जाने वाले वैठाएँ महिला विरोधी नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं।

श्रीराम ने अपने जीवनकाल में जो मूल्य अपनाये, वह आज भी प्रासादिक है।

श्रीराम ने अपने जीवनकाल में जो मूल्य अपनाये, वह आज भी प्रासादिक है।

श्रीराम पर पहुंच गयी, तब श्रीराम सफलता के उत्कृष्ट छन में अपने विनम्र व्यवहार और मधुर-वाणी से स्पृहित हो उठे। इससे दोनों ओर उत्तेजना चरम पर पहुंच गयी, तब श्रीराम सफलता के उत्कृष्ट छन में अपने विनम्र व्यवहार और मधुर-वाणी से स्पृहित हो उठे।

श्रीराम कहते हैं, ...रिस अति बड़ि लघु चूक हमारी, छुअतहि टूट पिनाक पुराना, मैं केहि हेतु कर्तृं अभिमाना अर्थात् द्वारा मूनि! आपका क्रोध बहुत बड़ा और मेरी भूल बहुत छोटी है। पुराना धनुष पथ, छूत ही टूट गया। मैं किस कारण अभिमान करूँ? सफलता के शिखर पर पहुंच कर भी एक व्यक्ति

को कैसा व्यवहार करना चाहिए, उस संर्दह में श्रीराम अनुकरणीय है। श्रीराम सदैव मर्यादा की परिषिधि में रहे, इसलिए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये। जब वे अयोध्या नरेश बने, तब उनके लिए प्रजा सर्वोपरि और शेष निज-संबंध गौण हो गये।

श्रीराम के व्यवहार के अनुकरणीय हैं। जीवन के सबसे कष्टमर्यादी कालखंड में श्रीराम ने अपने सहयोगी और सलाहकार वनवासियों को ही बनाया, जिसमें केवट निषाद, कोल, भील, किंशत और भालू सम्मिलित रहे। यदि श्रीराम वाहते होते तो विवेषण का राजतिलक करवाते होते हैं, अपितु विवेषण से घर की सभी महिलाओं को सांत्वना देने का अनुरोध भी करते हैं। राम शक्तिशाली और धर्मानुरागी होने के कारण समाज के अपराधी को तो दंडित करते हैं, किंतु पराजितों के धन-संपदा राज्य आदि से मोहर नहीं रखते। यदि युद्धभूमि में इन मूल्यों का पालन किया जाता, तो विवेषण का भगोल-इतिहास कुछ और होता। एक शत्रु के प्रति हमारा रवैया कैसा होना चाहिए? जब विवेषण अपने भाई रावण के किये पर लिजित होकर उसके शव का अंतिम संस्कार करने में द्विषिकते हैं, तब विवेषण विवृत्त न: प्रयोजनन्। क्रियात्मस्य संस्कारो ममाप्येव यथा तत्व।

अर्थात् बैर जीवन काल तक ही रहता है। मरने के बाद उस बैर का अंत हो जाता है। संचिति, शेष विश्व ने युद्ध में मानवता और मर्यादा की रक्षा होगा कन्वेशन (1899-1907) के रूप में की थी, जिसकी अवहेलना आज भी होती रहती है। इसराईल-हमास और रस-यूक्रेन हनुमानजी ने अधमं के प्रतीक लंका का दहन, तो श्रीराम ने रावण का वध किया। यह बताता है कि आध्यात्मिक मूल्यों और सामाजिक व्यवस्था की रक्षा हेतु सभ्य समाज को पद-कद-समूह की चिंता किए बिना इन जीवनमूल्यों के शरूओं को दंडित करना चाहिए। यदि वर्तमान वह आज भी प्रासादिक है।

जी कहते हैं ...मानाऊँ एक भागति कर नाता, जाति पाति कुल धर्म बड़ाई, धनबल परिजन गुन चतुराई, भगति हीन न सोङ्ह कैसा, बिनु जल बारिद देखिअ जैसा अर्थात् मैं तो केवल भक्ति का संबंध मानता हूँ। रावण कौन था? वह पुलस्त्य कुल में जन्मा ब्राह्मण, प्रकांड पंडित, महान शिवभक्त, कुलीन, जानी और स्वर्ण लंका का स्वामी था, पांतु वह आचरण से अनुराग॥ अर्थात् वह उत्तरांश के मित्र हैं, इतना सुनते ही भरत ने रथ त्याग दिया और प्रेम में उमंगते हुए चल पड़े। भील समुदाय की शबरी माता का पिछड़ान दोहरा है, क्योंकि वे गैर-अभिजात वर्मी की स्त्री हैं। श्रीराम शबरी के छुटे वेर सप्रेम ग्रहण करते हैं। अपने आराध्य श्रीराम के समक्ष माता शबरी की अपोल की। इस पर रघुनाथ हैं। श्रीराम का अवतरण रावण के रूप अन्याय, अनाचार और अहंकार को समाप्त करने में यह मानवीय मूल्य हजारों वर्षों से विद्यमान है। श्रीराम का अवतरण रावण के रूप अन्याय, अनाचार और अहंकार को समाप्त करने में यह मानवीय मूल्य हजारों वर्षों से विद्यमान है। श्रीराम ने अपने जीवनकाल में जो मूल्य अपनाये जाएं तो विवेषण का विवृत्त न: प्रयोजनन्। क्रियात्मस्य संस्कारो ममाप्येव यथा तत्व।

जी कहते हैं ...मानाऊँ एक भागति कर नाता, जाति पाति कुल धर्म बड़ाई, धनबल परिजन गुन चतुराई, भगति हीन न सोङ्ह कैसा, बिनु जल बारिद देखिअ जैसा अर्थात् मैं तो केवल भक्ति का संबंध मानता हूँ। रावण कौन था? वह पुलस्त्य कुल में जन्मा ब्राह्मण, प्रकांड पंडित, महान शिवभक्त, कुलीन, जानी और स्वर्ण लंका का स्वामी था, पांतु वह आचरण से अनुराग॥ अर्थात् वह उत्तरांश के मित्र हैं, इतना सुनते ही भरत ने रथ त्याग दिया और प्रेम में उमंगते हुए चल पड़े। भील समुदाय की शबरी माता का पिछड़ान दोहरा है, क्योंकि वे गैर-अभिजात वर्मी की स्त्री हैं। श्रीराम शबरी के छुटे वेर सप्रेम ग्रहण करते हैं। अपने आराध्य श्रीराम के समक्ष माता शबरी की अपोल की। इस पर रघुनाथ हैं। श्रीराम का अवतरण रावण के रूप अन्याय, अनाचार और अहंकार को समाप्त करने में यह मानवीय मूल्य हजारों वर्षों से विद्यमान है। श्रीराम का अवतरण रावण के रूप अन्याय, अनाचार और अहंकार को समाप्त करने में यह मानवीय मूल्य हजारों वर्षों से विद्यमान है। श्रीराम ने अपने जीवनकाल में जो मूल्य अपनाये जाएं तो विवेषण का विवृत्त न: प्रयोजनन्। क्रियात्मस्य संस्कारो ममाप्येव यथा तत्व।

जी कहते हैं ...मानाऊँ एक भागति कर नाता, जाति पाति कुल धर्म बड़ाई, धनबल परिजन गुन चतुराई, भगति हीन न सोङ्ह कैसा, बिनु जल बारिद देखिअ जैसा अर्थात् मैं तो केवल भक्ति का संबंध मानता हूँ। रावण कौन था? वह पुलस्त्य कुल में जन्मा ब्राह्मण, प्रकांड पंडित, महान शिवभक्त, कुलीन, जानी और स्वर्ण लंका का स्वामी था, पांतु वह आचरण से अनुराग॥ अर्थात् वह उत्तरांश के मित्र हैं, इतना सुनते ही भरत ने रथ त्याग दिया और प्रेम में उमंगते हुए चल पड़े। भील समुदाय की शबरी माता का पिछड़ान दोहरा है, क्योंकि वे गैर-अभिजात वर्मी की स्त्री हैं। श्रीराम शबरी के छुटे वेर सप्रेम ग्रहण करते हैं। अपने आराध्य श्रीराम के समक्ष माता शबरी की अपोल की। इस पर रघुनाथ हैं। श्रीराम का अवतरण रावण के रूप अन्याय, अनाचार और अहंकार को समाप्त करने में यह मानवीय मूल्य हजारों वर्षों से विद्यमान है। श्रीराम का अवतरण रावण के रूप अन्याय, अनाचार और अहंकार को समाप्त करने में यह मानवीय मूल्य हजारों वर्षों से विद्यमान है। श्रीराम ने अपने जीवनकाल में जो मूल्य अपनाये जाएं तो विवेषण का विवृत्त न: प्रयोजनन्। क्रियात्मस्य संस्कारो ममाप्येव यथा तत्व।

जी कहते हैं ...मानाऊँ एक भागति कर नाता, जाति पाति कुल धर्म बड़ाई, धनबल परिजन गुन चतुराई, भगति हीन न सोङ्ह कैसा, बिनु जल बारिद देखिअ जैसा अर्थात् मैं तो केवल भक्ति का संबंध मानता हूँ। रावण कौन था? वह पुलस्त्य कुल में जन्मा ब्राह्मण, प्रकांड पंडित, महान शिवभक्त, कुलीन, जानी और स्वर्ण लंका का स्वामी था, पांतु वह आचरण से अनुराग॥ अर्थात् वह उत्तरांश के मित्र हैं, इतना सुनते ही भरत ने रथ त्याग दिया और प्रेम में उमंगते हुए चल पड़े। भील समुदाय की शबरी माता का पिछड़ान दोहरा है, क्योंकि वे गैर-अभिजात वर्मी की स्त्री हैं। श्रीराम



झारखण्ड स्थापना दिवस पर जेबीके एसएस राज्य भर में निकालेगी बाइक रैली

अबुआ राज के सपने को साकार करने के लिए सभी झारखण्डियों को एकजुट होना होगा : सुमित महतो

आजाद सिपाही संचाददाता

अनगढ़ा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखण्ड स्थापना दिवस के मौके पर झारखण्डी भाषा खिंचायन संवर्ध समिति राज्य भर में बाइक रैली निकालकर झारखण्डियों को एकजुट करने का काम करेगी। इस क्रम में तमाम चैक चैराहों में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मात्यर्पण कर उठें नमन किया जायेगा। इस आयोजन का निर्णय बुधवार की शाम गोंदलीपोखर चैक में जेबीके एसएस का हुई बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के सक्रिय सदस्य फलिन्द्र करमाली ने किया। बाइक रैली का शुभारंभ काके भाट-खेल महोत्सव, सुरभी व आदित्य को मिला स्वर्ण



सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। जनकल्याण समर्पण संस्थान द्वारा सिकिदिरी फुटबॉल मैदान में आयोजित खेल महोत्सव के दसरे दिन बौद्धी रुम्य अतिथि भाजपा नेता जैरेंद्र कुमार अप्रसित हुए। मुख्य अतिथि जैरेंद्र कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और सर्वोत्तम डॉकर पुरस्कृत किया। खेल के दौरान 400 मीटर बालिका जुनियर में रितिका कुमारी खर्च, विजेता कुमारी रजत, मनीषा कुमारी कांस्य, 100 मीटर बालक में आदित्य महतो सर्वांग, सदीप कुमार रजत, निफ़ अंसारी कांस्य, केता दौड़ बालिका में सुरभि छंदा का स्वर्ण, सोनाली कुमारी रजत, तनवी कुमारी कांस्य, बालक वर्ष में राजीवर राम खर्च पदक, अश महतो रजत, अनुज करमाली कास्य पदक हासिल किये। मौके पर सुजीत, रमण कुमार, महाराजिव सत्यपाल, आदि मौजूद थे।

सीआईटी में दीपोत्सव ओपन मायक आयोजित



नामकुम (आजाद सिपाही)। दिवाली के पूर्व सीआईटी में आयोजित दीपोत्सव ओपन मायक प्रोग्राम में विद्यार्थियों ने जमकर मस्ती की। मौके पर स्थानकी एल्युमीनी और कैरिज ग्रुप की सीएफ प्रो रीफिक नवीन रिह ने भी विद्यार्थियों का साथ दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मैदान में जोरदार अतिशायी भी की। बता दे कि सूखान में शुक्रवार से छुट्टी हो रही है। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने डाइविंग और फिल्मी गानों पर डास का भरपूर आनंद लिया।

सांसद प्रतिनिधि ने किया मेला का उद्घाटन



नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम बाजार सदावहार चौक स्थित दुर्ग मंदिर के समीप लगे इडियन क्राप्ट सेल सह भेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर खिजरी विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह और जिला परिषद सदस्य रामावतार केरकेटा ने संतुष्ट रुप से फोटो काटकर किया। इस मौके पर प्रमोद सिंह ने कहा कि इस मैले में गरीब और मस्त लोगों के लिये उचित खर्च पर खादी के बने कपड़े, घर का सांस-जस्ज-ओर अन्य सामान लगे हैं। मैला में विशेष अतिथि तथा खेल प्रमुख विद्यार्थियों की मुख्यांश कामेली कर्कश, बरगांव मुखिया अनिता तिर्की, बनो और बनाओ मध्य के सचिव अखिलेश यादव उपस्थित थे। मौके पर नवयुवक संघ दर्शक एवं खेलीं चंगायक की मुखिया कामेली कर्कश, बरगांव मुखिया अनिता तिर्की, बनो और बनाओ मध्य के सचिव अखिलेश यादव उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ग्राम सङ्करण के तहत नाली निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने रोका

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के देवदार से बुसुआ टीली तक बने वाला प्रधानमंत्री ग्राम सङ्करण को तहत सडक मरम्मती हो रहा है। इस सडक के निर्माण में सडक के बिना पानी निर्माण की जानी नाली का निर्माण किया जा रहा है। विद्यार्थी की ओर अन्य राजदारी दी गयी। जनकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया। ग्रामीणों के द्वारा सर्वकार को सङ्कर के सांकर से फोटो काटकर किया गया। इसकी शिकायत अधियंतर वेपी गोपाल के पास एवं मुखिया रुप से किया गया था। अधियंतर सेवेदक के द्वारा दंडियां बैठा कर रहा है। जिसके बारे में जनकारी निर्माण की जानी नाली का निर्माण किया जा रहा है। जिसकी जानकारी दी गयी। जनकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी तो। उन्होंने सेवेदक पर टीकारा फोड़ कर फोन काट दिया। बार बार फोन करने के बाद भी अधियंतरों ने कॉल नहीं रिस्पॉन्स किया गया।

ग्रामीणों के द्वारा निर्माण की जानी नाली का निर्माण की ओर बार शिकायत की गयी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद जब अधियंतरों से बात करने की कोशिश की गयी

